EXPT. NO. : 3. 2

PAGE NO.: 00

DATE: 00/06/26

अभागाः ४=3x+1 काल्महन्त हमर्थाहत वास्कन वन्त्र 2641

ण्यः प= 32+1 काश्वात्वर त्मर्याद्य प्रकृषि अत्मद्विशा (0,0) বিন্তে 4-3x-1 এর মান -1<0 ইওয়য় दिशाहि स्मिरिक्टि हिंद कदत्र मा पुत्र कार्शमि y-3x-1=0 २७ शास भूरियाय (लक्ष्म्य अर्म বিন্দু লেখচিত্রের ভারত্ত্ত ।

शर्रायक्षण: लक्ष करते,

21 सम्ब कारभात र ७ ५ देख्य हम्पक वे अक्षाव विकिसी इ। अग्राय का ्म्यात का प्रिया अवलास्या इद्या 21 × पुत्र प्रकृष्टि मात्मत्र ज्ञा , पु पुत्र प्रकृष्टि मान পাওয়া যায়। অত এব, ফাংনানটি এক-এক।

अधाजनीय देनवन्द्रणः

21 टिक्रम / समाय 81 इंदिल्हार ना क्यामर्स्टिश

21 JOMES

ए। आस्याव

७। भिर्मित्राल

41 50 TOISTE

NAME OF THE EXPERIMENT:

EXPT. NO.:

PAGE NO.: 02

DATE:

ক্রিমের প্রাক্ত

ठामा ५ एवं यान निर्म करि।

२। इक काशांक x- जास xox' प्रतः y- जास Yoy' पुरक सूर्विभाषा प्रकरण (प्राक्षां प्रदेश जास वर्गवर सूर्विभ 3 वर्षद्व = 1 (क्क) निर्म निर्मेष्ठ (x, y) विन्दू भूला स्नामन कहि।

। अभिक रिन्ध्युत्ता यश्यात कर्व त्नधिक जांकि।

रिक् निक्यः आपछ रुप्तिन : भु= 32 + 1

え	-3	-2	-1	0	1	2	3
y=3x+1	-8	-5	-2	1	4	7	10

NAME OF THE EXPERIMENT:

EXPT. NO.:

PAGE NO .: 0 6

DATE:

रेन्नीरेन्नः पु= 32+1 का १ शास्त्र दल्या प्रकि

अवक्षाः

- भक्ष कर्न मिल इस्व।
- ২। ছক কাগতে সতর্কতার সাথে বিন্দুগুলো স্থাপন করে সরলবৈথা আঁফতে হবে।
- ७। क्यानकुर्निहें यायश्रे करिं १८ तरं आशिष्ट्र ते तरं

